भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 10 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: अगले 2-3 दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में और अगले 4-5 दिनों तक मध्य भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा की गतिविधि जारी रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 10 जुलाई 2025 को सुबह 08:30 बजे तक का मौसम:

पिछले 24 घंटों में दर्ज मौसम:

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; पश्चिम राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड, असम और मेघालय और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, पंजाब, मध्य महाराष्ट्र, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा, असम और मेघालय में 40-60 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश देखी गई।

विस्तृत जानकारी के लिए: **कृपया Annexure I देखें।**

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान और चेतावनियां (Annexure II और III देखें):

- निम्न दबाव का क्षेत्र दक्षिण झारखंड और आसपास के क्षेत्रों पर बना हुआ है।
- मानसून की द्रोणिका समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के करीब पहुँच गई है।
- निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर पंजाब और आसपास के क्षेत्रों पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- एक द्रोणिका दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश से निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण झारखंड और आसपास के क्षेत्रों पर निम्न दबाव के क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक बनी हुई है।
- एक द्रोणिका उत्तर-पूर्व अरब सागर से मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण झारखंड और आसपास के क्षेत्रों पर निम्न दबाव के क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक बनी हुई है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व असम पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम संभावित है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- पूर्वी राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 10 से 16 जुलाई तक; पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ में 10, 11 और 16 जुलाई को; जम्मू-कश्मीर में 10 और 14-16 जुलाई के दौरान; पश्चिम उत्तर प्रदेश में 10-13 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 10-12 जुलाई के दौरान; पश्चिम राजस्थान में 10 और 12-16 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है, जिसमें हिमाचल प्रदेश, जम्मू, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश में 10 जुलाई को; उत्तराखंड में 13 जुलाई को; पश्चिम राजस्थान में 14 जुलाई को; पूर्वी राजस्थान में 11-14 जुलाई के दौरान बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर और मैदानी इलाकों में कुछ/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ तूफान, बिजली की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- मध्य प्रदेश में 10-16 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 10-13 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़, झारखंड में 10-14 जुलाई के दौरान; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13-16 जुलाई के दौरान; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 14 जुलाई को; ओडिशा में 10 और 13-15 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है, जिसमें पूर्वी मध्य प्रदेश में 10-12 जुलाई के दौरान; पश्चिम मध्य प्रदेश में 11-14 जुलाई के दौरान बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों में क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ तूफान, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- कोंकण और गोवा में 13 और 14 जुलाई को; गुजरात क्षेत्र में 12-16 जुलाई के दौरान; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 10, 13 और 14 जुलाई को; सौराष्ट्र और कच्छ में 13 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों में क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अगले 7 दिनों में उत्तर-पूर्व भारत में अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ तूफान, बिजली की संभावना है।
- मिजोरम और त्रिपुरा में 10 और 13-16 जुलाई के दौरान; अरुणाचल प्रदेश में 11-16 जुलाई के दौरान और असम और मेघालय में 12-16 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय कर्नाटक में 10 जुलाई को और केरल में 12-16 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 3 दिनों में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएँ चलने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों में केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में अलग-अलग/बिखरी हुई वर्षा की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 10 जुलाई से 15 जुलाई, 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:
- **अरब सागर:** कोंकण, गोवा तटों के साथ और आसपास के समुद्री क्षेत्र में दिन 5 (14 जुलाई) के लिए। सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों; पश्चिम मध्य और आसपास के पूर्व मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के दक्षिणी हिस्सों में दिन 1 से दिन 5 (10 से 15 जुलाई) तक।
- **बंगाल की खाड़ी:** उत्तर आंध्र प्रदेश तट के साथ और आसपास के क्षेत्र में दिन 1 और दिन 2 (10 और 11 जुलाई) के लिए। पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों और पूर्व मध्य और दक्षिण-पश्चिम के आसपास के क्षेत्रों और उत्तर-पश्चिम

बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दिन 1 (10 जुलाई), पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आसपास के हिस्सों में दिन 2 (11 जुलाई), पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दिन 3 और दिन 4 (12 और 13 जुलाई); दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ दक्षिणी हिस्सों में दिन 2 से दिन 5 (11 से 15 जुलाई) तक। मन्नार की खाड़ी में दिन 1 से दिन 5 (10 से 15 जुलाई) तक।

सुझाव: उपरोक्त क्षेत्रों और तारीखों में मछली पकड़ने की गतिविधियों को पूरी तरह से निलंबित करें।

ii. 10 से 13 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

पश्चिम उत्तर प्रदेश: मडावरा (जिला ललितपुर): 17, मुजफ्फरनगर (टी) (जिला मुजफ्फरनगर): 15, मुजफ्फरनगर (जिला मुजफ्फरनगर): 12, आगरा (CWC) (जिला आगरा): 11, सादाबाद (जिला हाथरस): 9, आगरा (जिला आगरा), बदायूं (जिला बदायूं), धामपुर (जिला बिजनौर): 8 प्रत्येक, मवाना (जिला मेरठ), नकुर (जिला सहारनपुर): 7 प्रत्येक

जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: कठुआ (जिला कठुआ): 17, कठुआ ARG (जिला कठुआ): 13, कठुआ KVK (जिला कठुआ): 11, सांबा AWS (जिला सांबा): 10,बुरमल ARG (जिला कठुआ): 8

पूर्वी राजस्थान: नसीराबाद (जिला अजमेर): 16, कोटपूतली (जिला जयपुर): 15, बेहरोर (जिला अलवर), अजमेर (जिला अजमेर): 11 प्रत्येक, फतेहपुर (जिला सीकर), अजमेर तहसील SR (जिला अजमेर): 9 प्रत्येक, किशनगढ़वास SR (जिला अलवर), मसूदा SR (जिला अजमेर), मंडरायल SR (जिला करौली), पावटा (जिला जयपुर): 8 प्रत्येक, कोटकासिम SR (जिला अलवर): 7

झारखंड: घाटशिला (जिला पूर्वी सिंहभूम): 16, जमशेदपुर (जिला पूर्वी सिंहभूम): 9, पुतकी (जिला धनबाद), धनबाद (जिला धनबाद), रांची AP (जिला रांची), चंदनकियारी (जिला बोकारो), चंद्रपुरा (जिला बोकारो), आनंदपुर (जिला पश्चिमी सिंहभूम), तुंडी (जिला धनबाद): 8 प्रत्येक, मेस्सेंजोर (जिला दुमका), पूर्वी तुंडी (जिला धनबाद), पुतकी DVC (जिला धनबाद), नाला (जिला जम्तारा): 7 प्रत्येक

पंजाब: मधोपुर (जिला पठानकोट): 14, रणजीत सागर डैम साइट (जिला पठानकोट): 9, फतेहगढ़ साहिब AWS (जिला फतेहगढ़ साहिब): 8, फंगोटा (जिला पठानकोट): 7

उत्तराखंड: मसूरी (जिला देहरादून): 13, कपकोट (जिला बागेश्वर): 12, हल्द्वानी (जिला नैनीताल): 11, मुक्तेश्वर (जिला नैनीताल), रानीखेत (G) (जिला अल्मोड़ा): 10 प्रत्येक, दुंडा (जिला उत्तरकाशी): 9, काशीपुर (जिला उधम सिंह नगर), खटीमा (जिला उधम सिंह नगर), धनौल्टी (जिला गढ़वाल टिहरी), नैनीताल (जिला नैनीताल), जसपुर (जिला उधम सिंह नगर): 8 प्रत्येक

हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली: तावडू (जिला नूंह), गुरुग्राम REV (जिला गुरुग्राम): 13 प्रत्येक, धनसा (जिला दक्षिण पश्चिम दिल्ली): 11, नजफगढ़ AWS (जिला दक्षिण पश्चिम दिल्ली), ग्रीन फील्ड PS (जिला उत्तर पूर्व दिल्ली), गुरुग्राम KVK AWS (जिला गुरुग्राम): 10 प्रत्येक, रेवाड़ी (जिला रेवाड़ी), कनीना (जिला महेंद्रगढ़), मानेती REV (जिला रेवाड़ी): 9 प्रत्येक, पूसा AWS (जिला पश्चिम दिल्ली), पल्हावास REV (जिला रेवाड़ी): 8 प्रत्येक, अयानगर AWS (जिला दक्षिण दिल्ली), धारूहेड़ा REV (जिला रेवाड़ी), दादरी तोये EDU FMO (जिला झज्जर), असंध (जिला करनाल), बावल (जिला रेवाड़ी), अया नगर (जिला दक्षिण दिल्ली), दिल्ली रिज (जिला मध्य दिल्ली), फरुखनगर (जिला गुरुग्राम): 7 प्रत्येक

छत्तीसगढ़: मर्री बंगला देओरी (जिला बलोद): 12, डोंडिलोहारा (जिला बलोद), अकलतारा (जिला जांजगीर), अर्जुंदा (जिला बलोद): 8 प्रत्येक, गुंडरदेही (जिला बलोद), कुमरदा (जिला राजनांदगांव), भोथिया (जिला सक्ती): 7 प्रत्येक

हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर सदर (जिला बिलासपुर): 12

पूर्वी मध्य प्रदेश: मालथोन (जिला सागर): 11, दमोह-AWS (जिला दमोह): 10, कटंगी (जिला बालाघाट), केसली (जिला सागर): 9 प्रत्येक, शाहगढ़ (जिला सागर), कुसमी (जिला सिद्धि), तिरोडी (जिला बालाघाट): 8 प्रत्येक, बतियागढ़ (जिला दमोह), पथरिया (जिला दमोह), बलदेवगढ़ (जिला टीकमगढ़): 7 प्रत्येक

मिजोरम और त्रिपुरा: सोनामुरा (जिला सिपाहीजाला): 11, सोनामुरा ARG (जिला सिपाहीजाला): 10, जिरानिया ARG (जिला पश्चिम त्रिपुरा): 7

मध्य महाराष्ट्र: राधानगरी (जिला कोल्हापुर): 10

उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: लावा (जिला कालिम्पोंग): 10, मुनसोंग (जिला दार्जिलिंग): 9

पश्चिम राजस्थान: डीडवाना (जिला नागौर): 9

असम और मेघालय: मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स): 9, चेरापूंजी (RKM) (जिला पूर्वी खासी हिल्स): 8, चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स): 7

पश्चिम मध्य प्रदेश: खिरकिया-ARG (जिला हरदा), सिवनी मालवा (जिला नर्मदापुरम): 9 प्रत्येक, शिवपुरी (जिला शिवपुरी), कुम्भराज (जिला गुना): 8 प्रत्येक, हरदा (जिला हरदा), रोआन (जिला भिंड), मिहोना (जिला भिंड): 7 प्रत्येक

विदर्भ: पंढेरीकावड़ा (जिला यवतमाल): 8, घाटंजी (जिला यवतमाल), रालेगांव (जिला यवतमाल): 7 प्रत्येक

दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: श्रीनगेरी HMS (जिला चिक्कमगलुरु): 7

तटीय कर्नाटक: कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़), कद्रा (जिला उत्तर कन्नड़): 7 प्रत्येक

ओडिशा: डुंगुरीपल्ली (जिला सोनेपुर): 7

गंगीय पश्चिम बंगाल: बेहरामपुर (जिला मुर्शिदाबाद): 7

पिछले 24 घंटों में 10 जुलाई 2025 को सुबह 08:30 बजे तक दर्ज तेज हवाएं (किमी/घंटा):

पंजाब: फरीदकोट: 61, फतेहगढ़: 39, मोहाली: 35, मोगा: 33

मध्य महाराष्ट्र: कराड (सतारा): 54, महाबलेश्वर (सतारा): 48

बिहार: मधेपुरा: 54

हरियाणा:कैथल: 48, सिरसा: 43. जींद: 41. पानीपत और रोहतक: 39, चरखी दादरी: 33, सोनीपत: 31

पश्चिम मध्य प्रदेश: हरदा, उज्जैन, सेहोर: 44

पूर्वी मध्य प्रदेश: नरसिंहपुर: 41

विदर्भ: यवतमाल: 41

मराठवाड़ा: तुलजा (धाराशिव): 41

असम और मेघालय: जोरहाट: 41

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	10- Jul	11- Jul	12- Jul	13- Jul	14- Jul	15- Jul	16- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	SCT	SCT	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
8	JHARKHAND	WS	WS	FWS	WS	WS	FWS	SCT
9	BIHAR	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
14	PUNJAB	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
18	EAST RAJASTHAN	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	FWS	WS	WS	WS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
25	MARATHWADA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
29	TELANGANA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

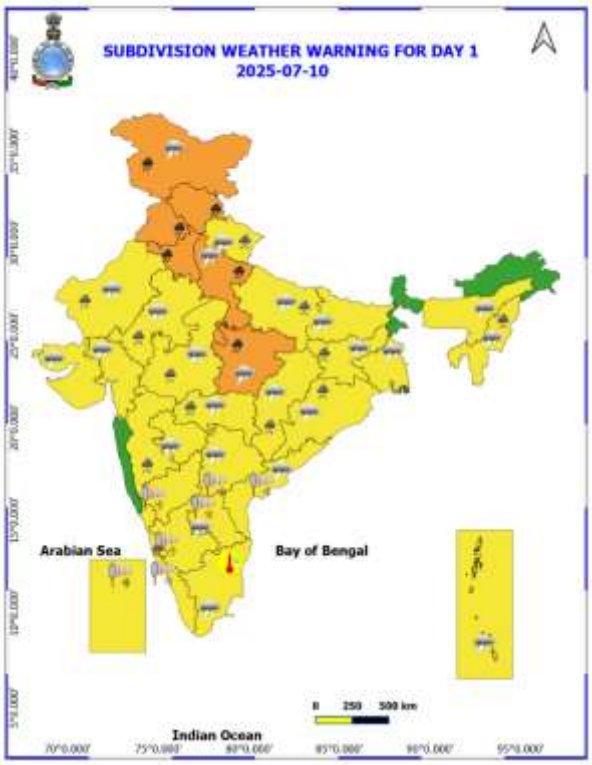
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-10
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

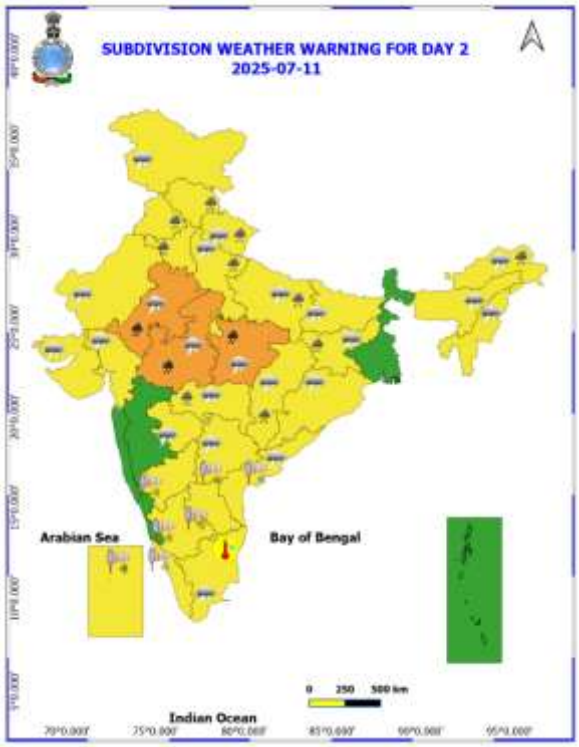
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-11
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

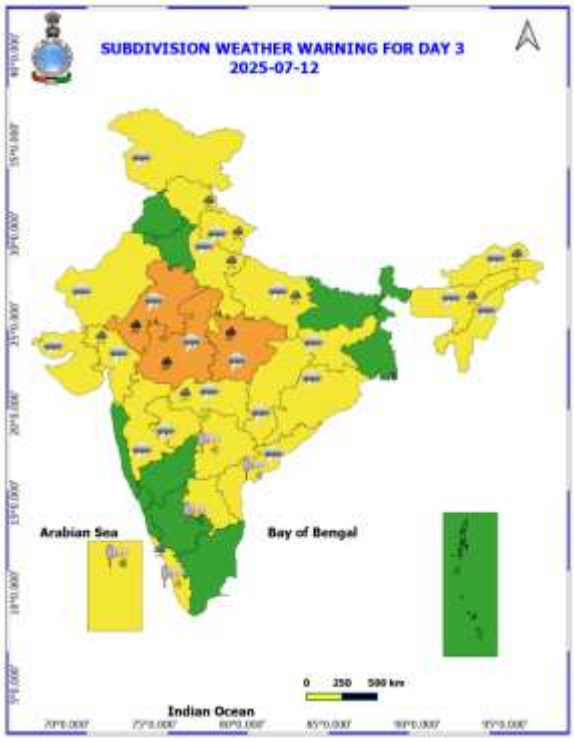
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-12
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

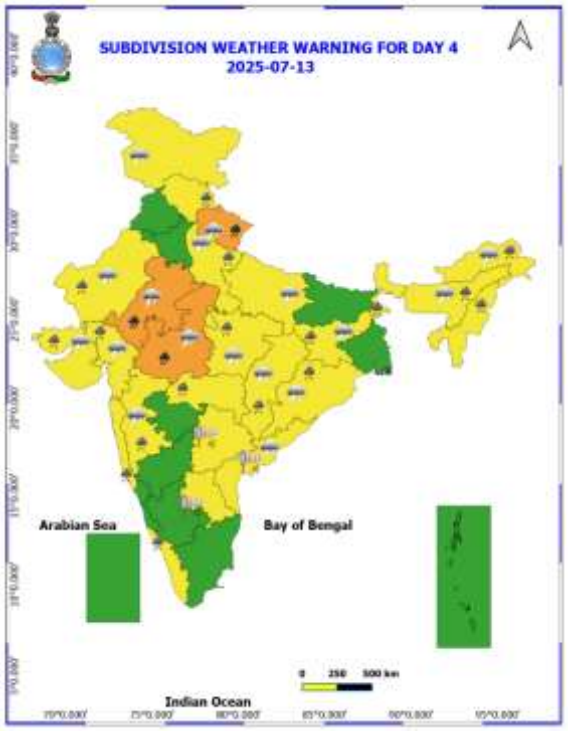

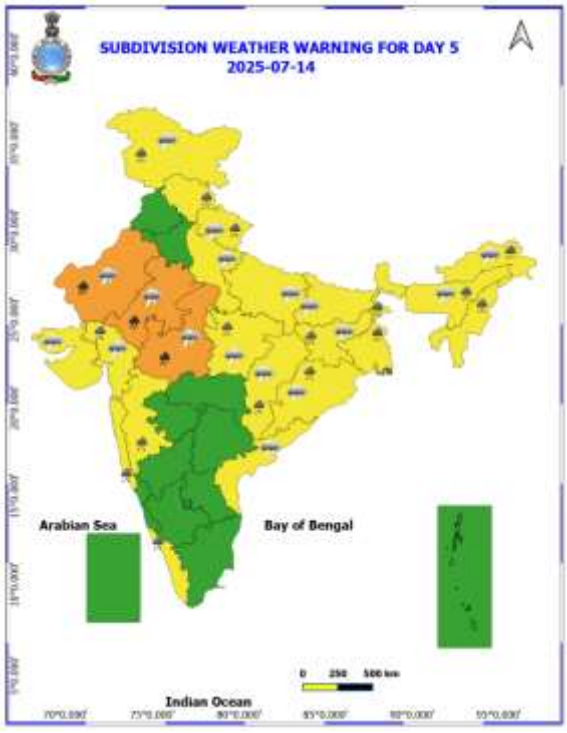

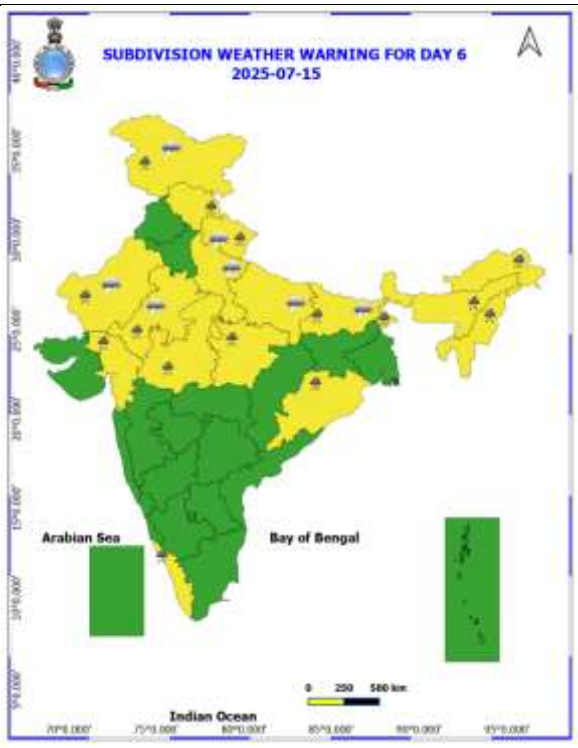

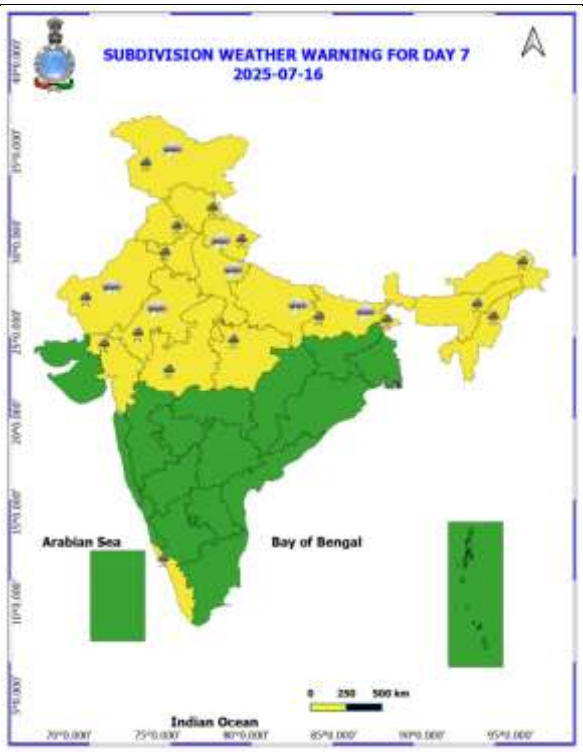

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए 10 से 13 जुलाई 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 34 से 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान आम तौर पर आकाश में बादल छाए रहे और सतही हवाएं मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं, जो कि झोंकों में 35 किमी प्रति घंटे तक पहुंची। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि कुछ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई है।आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आम तौर पर बादल छाए रहे और हवाएं उत्तर-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम की रफ्तार से चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

10.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 6 से 8 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। दोपहर में मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति की हवाएं चलेंगी। शाम और रात के दौरान यह गति घटकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 8–12 किमी प्रति घंटे रह सकती है।

11.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवाएं चलेंगी। दोपहर में यह गति बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और शाम व रात को घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम रह जाएगी।

12.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवाएं चलेंगी। दोपहर में यह घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम और शाम व रात में घटकर 8 किमी प्रति घंटे से कम रह जाएगी, जो कि उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी।

13.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवाएं चलेंगी। दोपहर में यह गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और शाम व रात में घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम रह जाएगी।

भारी वर्षा, गरज/बिजली गिरने के कारण संभावित प्रभाव और सुझावित कार्रवाई:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- **10** जुलाई को हिमाचल प्रदेश, जम्मू, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; **13** जुलाई को उत्तराखंड; **14** जुलाई को पश्चिमी राजस्थान; **11-14** जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश। **10-12** जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश **में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।**

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **मध्य प्रदेश** के **गिर्द क्षेत्र** में, सोयाबीन और बाजरा की बुआई स्थगित कर दें और पहले से बोए गए खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। **सतपुड़ा पठारी क्षेत्र** में, मक्का, सोयाबीन एवं सब्जियों के खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें। सब्जी की नर्सरी को जाल या अन्य उचित माध्यम से सुरक्षित रखें। **किमोर पठार** और **सतपुड़ा पहाड़ी क्षेत्र** में, सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान की नर्सरी तथा धान, मक्का, अरहर, छोटे अनाज और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **मैदानी क्षेत्र** में, धान की लाइन बुआई / रोपाई और अरहर, मक्का और सोयाबीन की बुआई स्थगित करें।
- **जम्मू और कश्मीर** के **उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में, जलजमाव से बचाव हेतु मक्का और रोपे गए चावल के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। **मध्यवर्ती क्षेत्र** में, मक्का के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें। कद्दूवर्गीय फसलों और टमाटर के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें। भारी वर्षा बंद होने तक खरीफ दलहन की बुवाई स्थगित रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** के **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में, खीरे की बेलों को सहारा प्रदान करें तथा मक्का एवं सब्ज़ियों के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें। **उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में, मक्का के खेतों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **उत्तराखंड** में, सोयाबीन, मक्का, बाजरा, रागी, अरहर, राजमा, सब्जियों और बागानों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।
- **पंजाब** के **असमतल मैदानी क्षेत्र** में, धान, गन्ना, खरीफ मक्का और मूंग की फसलों के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **हरियाणा** के **पूर्वी क्षेत्र** में, धान के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश** के **दक्षिण पश्चिमी अर्ध शुष्क क्षेत्र** में, धान, वसंतकालीन गन्ना, अरहर, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **पूर्वी राजस्थान** के **दक्षिण-पूर्वी आर्द्र मैदानी क्षेत्र** में, धान की नर्सरी तथा मक्का, सोयाबीन और उड़द के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **बाढ़ संभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में, भारी वर्षा के दौरान तिल, मूंग और बाजरा की बुवाई / पुनः बुवाई स्थगित रखें।
- **कोंकण क्षेत्र** में, धान और रागी (नाचनी) की नर्सरी, मूंगफली, सब्ज़ियों और बागानों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था करें। **विदर्भ क्षेत्र** में, खरीफ फसलों, सब्जियों की नर्सरी और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।

- **झारखंड** में, मक्का के खेतों, धान और सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें। सब्जियों की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से ढक दें।
- **त्रिपुरा** में, अस धान और मक्के के खेतों में अच्छी जल निकासी बनाए रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

11-07-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़-बलरामपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जशपुर, कोरबा, कोरिया, राजनांदगांव, सूरजपुर और सरगुजा जिले।
पूर्वी मध्य प्रदेश-अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, दमोह, डिंडोरी, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पन्ना, सागर, सिवनी, शहडोल और उमरिया जिले।
ओडिशा - बारागढ़, देवगढ़, केंदुझार, मयूरभंज, सुबरनापुर और सुंदरगढ़ जिले।
झारखंड - धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रांची, सरायकेला, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

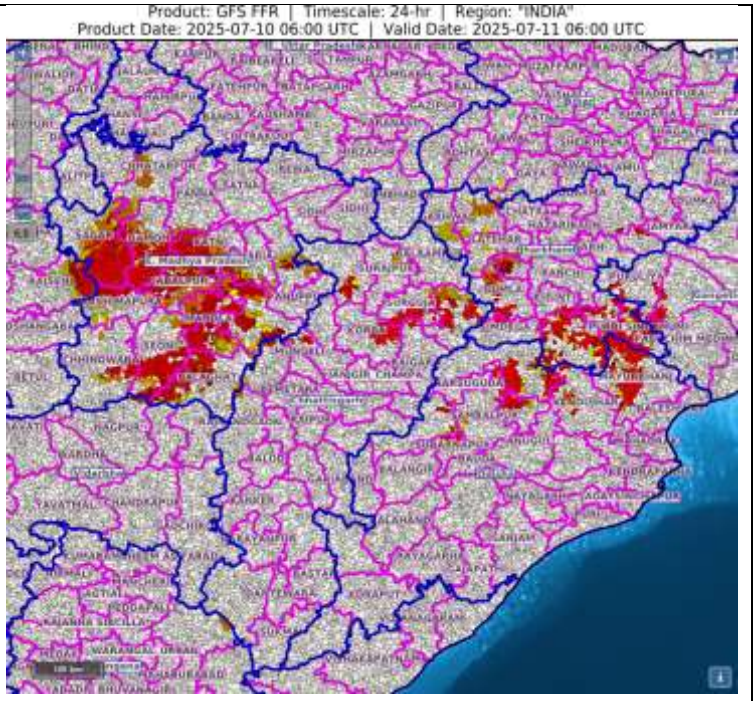

11-07-2025 के 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) का 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम विभाग उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश - किन्नौर, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिले। जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख - पुंछ, राजौरी और उधमपुर जिले। उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, नैनीताल, पिथौरागढ़, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	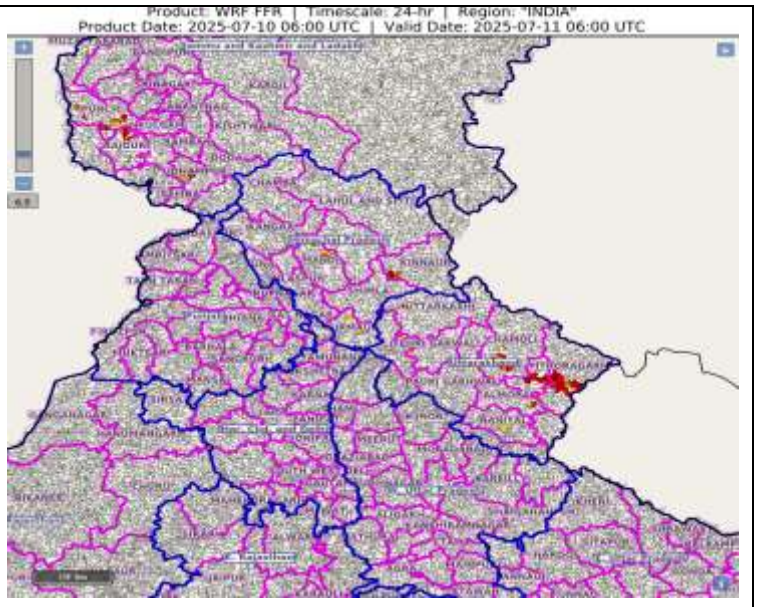

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

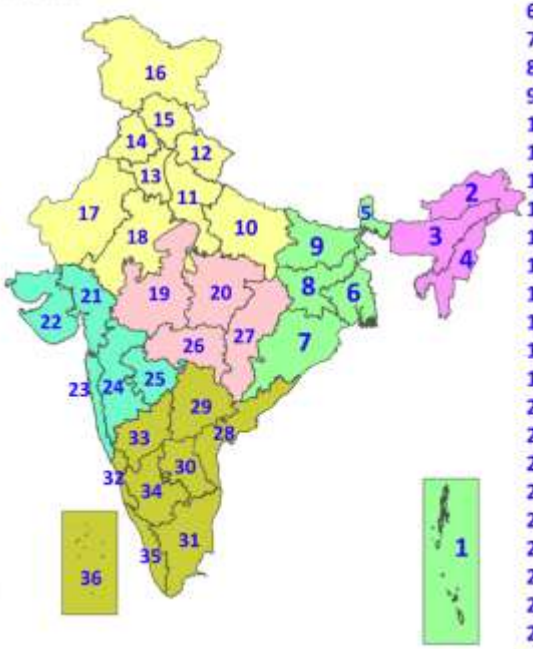

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)